[17] No. of printed pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
B.A. I Semester Examination
Tuesday, 19th April 2016
10.30 am - 1.30 pm
UA01CHLT01 : आधुनिक हिन्दी काव्य रश्मिरथी : पेपर-१

Total Marks: 70

प्र.१ सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(किन्हीं तीन)** (१५)

१. मित्रता बड़ा अनमोल रतन, कब इसे तोल सकता है धन?
धरती की तो है क्या बिसात? आ जाय अगर बैकुण्ठ हाथ,
उसको भी न्योछावर कर दूँ,
कुरूपति के चरणों पर धर दूँ।

२. नहीं फूलते कुसुम मात्र राजाओं के उपवन में
अमितबार खिलते वे पूर से दूर कुंज-कानन में।
समझे कौन रहस्य? प्रकृति का बड़ा अनोखा हाल,
गुदड़ी में रखती चुन-चुनकर बड़े कीमती लाल।

३. पूछो मेरी जाति, शक्ति हो तो मेरे भुजबल से
रवि समान दीपित ललाट से और कवच-कुण्डल से,
पढ़ो उसे जो झलक रहा है मुझ में तेज प्रकाश,
मेरे रोम-रोम में अंकित है मेरा इतिहास।

४. माँगो माँगो दान अन्न या वसन धाम या धन दूँ?
अपना छोटा राज्य या कि वह क्षणिक क्षुद्र जीवन दूँ?
मेंघ भले लौटे उदास हो किसी रोज सागर से,
याचक फिर सकते निराश पर, नहीं कर्ण के घर से।

५. जाओ, जाओ कर्ण! मुझे बिलकुल असंग हो जाने दो,
बैठ किसी एकान्त कुंज में मन को स्वस्थ बनाने दो।
भय है, तुम्हें विराश देखकर छाती कहीं न भट जाये,
फिरा न लूँ अभिशाप, पिघलकर वाणी नहीं उलय जाये।

प्र.२ 'रश्मिरथी' खंडकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए। (२०)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखिए :

१. 'रश्मिरथी' का परशुराम
२. 'रश्मिरथी' खंडकाव्य का अंत

प्र.३ भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'रश्मिरथी' की चर्चा कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.३ टिप्पणी लिखिए :

१. 'रश्मिरथी' का प्रथम सर्ग ।

२. 'रश्मिरथी' की भाषा-शैली ।

प्र.४

(अ) टिप्पणी लिखिए : (०८)

१. कुंती-कर्ण का संवाद ।

२. 'रश्मिरथी' का तृतीय सर्ग ।

(ब) निम्नलिखित में से **किन्हीं सात** प्रश्नों का उत्तर अति संक्षेप में लिखिए : (०७)

१. 'रश्मिरथी' के नायक का क्या नाम है?

२. 'रश्मिरथी' में कितने सर्ग है?

३. सूर्यने कर्ण को क्यों सावधान किया?

४. कर्णने कुंती को क्या वचन दिया?

५. कर्ण का सारथी कौन था। पाण्डवों से उसका क्या सम्बन्ध था?

६. कर्ण को राधेय क्यों कहा जाता है?

७. कुंतीने नवजात शिशु को क्यों त्याग दिया?

८. 'रश्मिरथी' का अर्थ समझाइए ।

९. अपनी लज्जा छिपाने के लिए इन्द्र ने कर्ण से क्या कहा?

* * *